

COMMON CHART of CODING for all the papers of Semester I to Semester IV which gives an overall view of M.A. Konkani papers at PG level

Core Course

Sr. No	Paper Code	Name of the Paper	No. of Credits
1	KKC-301	A Study of Selected Old Konkani Literature (16th -17th century)	4
2	KKC -302	Research Methodology	4
3	KKC-303	Linguistic Study of Konkani	4
4	KKC- 304	Study of Selected Writings of Shennoi Goembab	4
5	KKC-305	Study of Selected Indian Literature	4
6	KKC-306	Sociological Study of Literature	4
7	KKC-307	Selected Ideologies in Indian & Western Poetics	4
8	KKC-308	Trends in Modern Konkani Poetry	4

Optional Course

Sr. No	Paper Code	Name of the Paper	No. of Credits
1	KKO-401	Special Study of Konkani Novels	4
2	KKO-402	Konkani Language Movement	4
3	KKO-403	Concept of Feminism in Literature	4
4	KKO-404	Short film Production	4
5	KKO-405	Translation : Theory & Practice	4
6	KKO-406	Field Linguistics and Konkani Language Documentation	4
7	KKO -407	Critics & Criticism	4
8	KKO-408	Study of Selected Forms of Goan Folk Dances	2
9	KKO-409	Study of Selected Forms of Goan Folk Dramas	2
10	KKO-410	Devnagari Typing & Proof Reading skills	2
11	KKO-411	Creative Writing	2
12	KKO-412	A Study of Commercial Tiatr	2
13	KKO-413	Grammin Sahitya	2
14	KKO-414	Environmental Thought in Konkani Literature	2
15	KKO-415	Study of Selected Plays of Pundalik Naik	2
16	KKO-416	Study of Selected Essays of Ravindra Kelekar	2
17	KKO-417	Study of Selected Stories of Damodar Mauzo	2
18	KKO-418	Media Study	2
19	KKO-419	Study of Mahabaleshwar Sail's Selected Novels	2
20	KKO-420	Essentials of Konkani Grammar & Orthography	2
21	KKD-421	Dissertation	8

	छापणावळीची वळख	
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ आदी.	
References / readings	<ol style="list-style-type: none"> 1. गोमिश, ऑलिव्हिन्यु. कोंकणीसरस्पतिचोइतिहास (एक सुपुल्लो नियाळ), चांदर, गोंय : कोंकणी सरस्पत प्रकाशन, 1989. 2. प्रभुदेसाई, वि. बा. सतराव्या शतकातील गोमंतकी बोली, मुंबय : मुंबई विश्वविद्यालय, 1963. 3. प्रयोळकर अ.का. संपा. सांतु आंतोनीचीं अचर्या, मराठी संशोधन मंडळ, मुंबई. 1963 4. परैर, जुझे. संपा. कोंकणी मंदाकिनी, गोवा कोंकणी अकादेमी, पणजी गोंय. 1996 5. गोमिश ऑलिव्हिन्यु. कोंकणी मानसगंगोत्री, चांदर, गोंय : कोंकणी सरस्पत प्रकाशन, 2000. 6. Sardessai, Manoharrai. <i>A History of Konkani Literature</i>, New Delhi, SahityaAkademi, 2000. 7. Fr. Pereira, Antonio. <i>Makers of Konkani Literature</i> Baga Goa Antonio Pereira, 1982. 8. <i>Old Konkani Language and Literature -The Portuguese Role:</i> O.J .F .Gomes, Konkani Sorospot Prokashon, Chandor, Goa, 1996 	
Learning outcomes	कोंकणींतल्या पोरण्या भाशीक स्वरुपाची आनी साहित्याची पुराय वळख विद्यार्थ्यांक जाता	

References/Readings	<ol style="list-style-type: none"> 1. तडकोडकार, प्रियदर्शिनी. <i>पुंडलीक नारायण नायक - साहित्यसूची</i> (वर्णनात्मक), एफ-3, पयली माळी, व्हिक्टर अपार्टमेंटस, राष्ट्रीय महामार्ग, दुसरो चौक, कुजिरा, सांताक्रुझ, तिसवाडी, गोंय - 403 005 : केदार प्रकाशन गृह, 1999. 2. नागगोंडे, गुरूनाथ. <i>सामाजिक संशोधन पद्धती</i>. रि.सं.नं. 1243 प्लॉट नं 98/4, ए वॉर्ड, कोल्हापूर-416 012 : फडके प्रकाशन, 1986. 3. मालसे, स. गं. <i>शोधनिबंदाची लेखनपद्धती</i>. संपा. मिलिंद मालशे. भूपेश गुप्ता भवन, 85, सयानी रोड, प्रभादेवी मुंबई - 400 025 : लोकवाङ्मय गृह. (प्र. आ. 1975) सुधारीत व्दितीय आ. 2006. 4. संत, दु. का. <i>संशोधन: पद्धती, प्रक्रिया, अंतरंग</i>. 1768, सदाशिव पेठ, पुणे : डॉ. गं. श्री. कोशे, 1966. 5. मालसे, स. गं. <i>शोधनिबंदाची लेखनपद्धती</i>. संपा. मिलिंद मालशे. भूपेश गुप्ता भवन, 85, सयानी रोड, प्रभादेवी मुंबई - 400 025 : लोकवाङ्मय गृह. (प्र. आ. 1975) सुधारीत व्दितीय आ. 2006 6. Goode, William & Hall, Paul. <i>Method in Social Research</i>, McGraw-Hill, Kogakusha Tokyo, 1952. 7. Trivedi, R. <i>Research Methodology</i>, New Delhi: Radha Publication, 1996. 8. Verma,, R. <i>Research Methodology</i>, New Delhi : Commonwealth Publisher, 1996. 9. <i>MLA Handbook for writers of Research papers</i>. 105 Nirmal Tower, 26 Barakhamba Road, New Delhi 110 001 : Affiliated East-West Press Private Limited, (First Edition -1977) Seventh Edition - 2009. 	
Learning Outcomes	<ol style="list-style-type: none"> 1. संशोधन पद्धती आनी प्रक्रिया कळिल्ल्यान संशोधन करपाचो आत्मविस्वास वाडीक लागता. 	

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KKC - 303

Number of Credits: 04

Title of the Course: कोंकणीचो भासविज्ञानीक अभ्यास

Linguistic Study of Konkani

Effective from AY: 2018-19

Prerequisites for the course:	विद्यार्थ्यांक मौखीक कोंकणीचें गिन्यान आसचें	
Objective:	1.विद्यार्थ्यांक भासविज्ञानाची मुळावी वळख जावची आनी कोंकणीचो भासविज्ञानीक अभ्यास करपाची नदर मेळची. 2.कोंकणी भासविज्ञानीक मळा वयल्या आदल्या वावराची पडटाळणी, भाशीक/बोलयांच्या खाशेलेपणांची पुनर्मांडणी.	
		वरां
Content:	1. भास आनी भासविज्ञान	10
	भास म्हणल्यार कितें: भाशेचीं मुळावीं खाशेलेपणां	
	भासविज्ञान म्हणल्यार कितें भासविज्ञान आनी पारंपरीक व्याकरण, भासविज्ञानाच्या आर्विल्ल्या इतिहासाची उडटी वळख	
	भासविज्ञानाचो वापर	
	2. भासविज्ञानाचीं मुखेल आंगां	
	स्वनविज्ञान 'नाद' आनी 'स्वन', स्वन निर्मणेची प्रक्रिया; स्वर आनी व्यंजन: उच्चारण आनी वर्णन; अक्षर	30
	अर्थविज्ञान (अर्थ म्हणल्यार कितें; अर्थाच्यो सात तरा; उतरां भितरलीं नातीं; घटक विस्कटावणी)	
	व्याकरण-विचार - <u>स्वनीम-विचार</u> (स्वनीम, स्वन, वांगडी-स्वन) - <u>पद-विचार</u> (रुपीम, रुपिका, वांगडी-रुपिका; उतर घडणुकेच्यो प्रक्रिया (Inflection आनी Derivation); उतराचे बांदावळीक धरून भासांचें वर्गीकरण - <u>वाक्य-विचार</u> (कोंकणी वाक्यांत उतरांचो सभावीक क्रम: कोंकणी SOV भास; क्रियापद नाशिल्लीं वाक्यां)	
	3. भासविज्ञानाचे हेर फांटे - उडटी नदर इतिहासीक भासविज्ञान (भास-बदल);समाजभासविज्ञान (समाजभासविज्ञान आनी भाशेचें समाजशास्त्र);मनोविज्ञान;मानसभासविज्ञान;बोलीविज्ञान;कम्प्यु	4

	टर भासविज्ञान;अणकारविज्ञान, बी.	
	4. कांय भासविज्ञानीक मुद्द्यांची विस्कटावणी 'व्यक्ती-बोली', 'आवय-भास', 'भाशीक-समाज'; भास आनी लिपी; भाशे-कूळ (कोंकणीचें भाशे कूळ); भाशीक वाठार	4
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां/tutorials/lab sessions/e-sources/स्वाध्याय/सादरीकरण	
References/Reading	<ol style="list-style-type: none"> 1. सरदेसाय, माधवी. <i>भासाभास</i>. प्रियोळ: जाग प्रकाशन, १९९३. 2. गांवकार, भालचंद्र. <i>भाशाविज्ञान</i>. फोंडें, गोंय: मित्र प्रकाशन, १९९३. 3. वेरेंकार, श्याम आनी हेर. (संपा.) <i>कोंकणी भास, साहित्य आनी संस्कृताय</i>. विद्यानगर, मडगांव. 403601.: कोंकणी भाशा मंडळ, मार्च 2003. (लेख: १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, १२, १३, १४) 4. गोंयबाब, शणै. <i>कोंकणीची व्याकरणी बांदावळ - मुंबय: गोमंतक छापखानो, १९४९.</i> 5. Katre, S.M. <i>The Formation of Konkani</i>. Deccan College, 1966. 6. Almeida, Mathew. A <i>Description of Konkani</i>. T.S.K.K., 1989. 7. Robins, R.H. <i>General Linguistics: An Introductory Survey</i>. Longman (1964) 1980. 8. गोविलकर, लीला. <i>वर्णनात्मक भाषाविज्ञान</i>. पुणे: आरती प्रकाशन, 1992. 9. मालशे, मिलिंद. <i>आधुनिक भाषाविज्ञान: सिध्दांत आणि उपयोजन</i>, लोकवांगमय गृह, १९९५. 10. तिवारी, भोलानाथ. <i>भाषाविज्ञान</i>, किताब महल, (१९५१) १९९१. 11. सिंह, तिलक. <i>नविन भाषाविज्ञान</i>, नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान, १९८५. 	
Learning Outcomes:	<ol style="list-style-type: none"> 1. कोंकणी भाशेंतलीं स्वनिमां, रुपिमां, वाक्याचे घटक हांचे विशीं विद्यार्थांक गिन्यान मेळटा. 2. कोंकणी भासविज्ञानीक मळा वयल्या संशोधन सुवातींची जाण जाता; भासविज्ञानीक मळार वावर करपाची उत्सुकताय निर्माण जाता 	

Programme : M. A. (Konkani)

Course : KKC-304

Title of the course : शणै गोंयबाब हांचें वेंचीक बरपावळीचो अभ्यास

Study of Selected writings of Shennoi Goembab

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	आधुनीक कोंकणी साहित्याचे जनक शणै गोंयबाब हांची थोडे भितर वळख आसची.	
Objective	शणैगोंयबाबहांच्यामौलीक,अणकारीत,रुपांतरीत, संशोधनात्मक बरपावळीचो अभ्यास जावचो	
		वरां
Content:	<p>1. जिवीत आनी वावर शणै गोंयबाब हांचें जिवीत, तांचे चलणुकेंत दिसून आयिल्लो गूण आनी तांचो साहित्यीक वावर.</p> <p>2. कोंकणी भाशेचें खाशेलेंपणआनी महत्व सांगपी बरपावळ अ. कोंकणी भाशेचें जैत आ. येवकार अध्यक्षांलें उलोवप इ. कोंकणिची व्याकरणी बांदावळ</p> <p>3. मौलीक साहित्याची वळख अ. रवळूचो रवळेराव आनी गोंयकाराचो मुंबयकार आ. गोमन्तोपनिषत (खंड 1) इ. गोमन्तोपनिषत (खंड 2)</p> <p>4. अणकारीत आनी रुपांतरीत साहित्याची वळख अ. झिलबा राणो आ. मोगाचें लग्न इ. श्रीभगवंतालें गीत</p> <p>5. इतिहास आनी चरित्रात्मक साहित्याची वळख अ. गोंयकारांची गोंयांभायली वसणूक आ. आबे फारीय</p> <p>पुरवणी वाचन : गोंयबाबाची हेर बरपावळ</p>	02 12 14 10 10
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ आदी.	
References/ readings	1. वर्दे वलावलीकार, शांताराम. (संपा.) समग्र शणै	

	<p>गोंयबाब खंड 1,2,3,4, पणजी गोंय, गोवा कोंकणी अकादेमी, आनी इन्स्टीट्यूट मिनेझीस ब्रागांझा अनुक्रमान (2003, 2003, 2006, 2006)</p> <p>2. नायक, रा.ना. शणै गोंयबाब, नवी दिल्ली, साहित्य अकादेमी.1980</p> <p>3. . वर्दे वलावलीकार, शांताराम. संपा. वज्रलिखणी कोंकणी भाशा मंडळ, मडगांव - गोंय. 1977</p> <p>4. आमोणकार, शांताराम, उगडासाचे कोठये कुडींत प्रियोळ गोंय, जाग प्रकाशन. 2005</p> <p>5. नायक, भिक् बोमी. संपा. युगपुरुष शणै गोंयबाब: एक परिचर्चा , मार्सेल गोंय, जैत प्रकाशन :2005</p> <p>6. देसाय, गुणाजी. शणै गोंयबाबंलें कोंकणी साहित्य आनी सामाजीक चेतना, गोंय विद्यापीठ पी.एच. डी खातीर प्रबंध. 2008.</p>	
Learning outcomes	आधुनीक कोंकणी साहित्य आनी भाशीक चळवळ हांचें मुळावण घालपी युगपुरसाची वळख घडटा	

Programme : M. A (Konkani)

Course : KKC-305

Title of the course : भारतीय साहित्यांतल्या वेंचीक साहित्यकृतींचो अभ्यास

Study of Selected Indian Literature

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	भारतीय भासांतल्या मूळ वा अणकारीत साहित्यकृतींची वळख आसची	
Objective	भारतीय भासांतल्या वेंचीक साहित्यकृतींचो अभ्यास जावचो	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">1. भारतीय साहित्याची उडटी वळख2. सकयल दिल्ल्या खंयच्याय चार साहित्य प्रकारांतल्या वेंचीक अणकारीत साहित्यकृतींचो अभ्यास करचो : अ. कादंबरी आ. कथा इ. नाटक ई. कविता उ. आत्मचरित्र ऊ. निबंद <p>टीप :- केंद्रीय साहित्य अकादेमीन भारतीय भासांतल्यान कोंकणींत अणकारीत केल्ल्या साहित्यकृतींचोच हांगां अभ्यास जावचो</p>	08 40
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ आदी.	
References/ readings	<ol style="list-style-type: none">1. त्रिपाठी, रामछबीला. <i>भारतीय साहित्य</i>, नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन . 2008.2. पंजाबी, शशि. <i>भारतीय साहित्य</i>, किदवई - नगर कानपुर: ज्ञान प्रकाशन. 20123. बांदिवडेकर, चंद्रकांत. <i>देशी वाण : साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेत्या आधुनिक भारतीय</i>	

	कादंबऱ्यांचा रसास्वाद. माहीम, मुंबई 400 016 : अक्षर प्रकाशन, मार्च 2002.	
Learning outcomes	भारतीय साहित्याची वळख जातली.	

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKC-306

Title of the Course : साहित्याचें समाजशास्त्रीय अध्ययन

Sociological Study of Literature

Number of credits : 04

Effective From AY : 2018- 2019

Prerequisites for the Course :	कोंकणी साहित्य आनी समाजाची थोडी भोव वळख आसची	
Objectives :	<ol style="list-style-type: none">1. व्यक्ती, समाज आनी समाजशास्त्र हांची संकल्पना विद्यार्थ्यांक स्पश्ट जावप.2. समाजशास्त्राचो अभ्यास करतना हेर शास्त्रांचो अभ्यास कितलो महत्वाचें तें विद्यार्थ्यांक समजावन दिवप.3. समाजशास्त्राक केंद्रस्थानार दवरून विविध साहित्य प्रकारांचो अभ्यास करप.	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">1. समाज : संकल्पना आनी व्याख्या2. भारतीय समाजाचीं खाशेलपणां3. समाजशास्त्र: अर्थ आनी व्याख्या4. समाजशास्त्रीय अभ्यासाची फाटभूंय5. समाजशास्त्राचो हेर शास्त्रां कडेन आशिल्लो संबंद6. साहित्यांत मार्क्सवादाचो प्रभाव7. साहित्याचें समाजशास्त्र: अ. सिध्दांतीक अभ्यास आ. उपयोजीत अभ्यास8. अणकारीत तशेंच वेंचीक कोंकणी कविता आनी कथांचो अभ्यास9. मूळ कोंकणी वा अणकारीत खंयचेय एके कादंबरेचो अभ्यास	<p>03</p> <p>03</p> <p>02</p> <p>04</p> <p>06</p> <p>05</p> <p>05</p> <p>10</p> <p>10</p>
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यान, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन आदी	

References/Readings

1. दुबे, श्यामचरण. (कोंकणी अणकार)चंद्रकांतकेणी. *भारतीय समाज*. ग्रीन पार्क, नई दिल्ली : नॅशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, 1999.
2. शिरोडकार, पां. पु. *जाती-वर्णाचें समाजशास्त्र*, मडगांव गोंय : कोंकणी भाशा मंडळ, 1975.
3. पाण्डेय, मैनेजर, *साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका*, चण्डीगढ : हरियाणा साहित्य अकादमी, 1989.
4. कऱ्हाडे, सदा. *समाजआणिसाहित्य*. 85, सयानीरोड, प्रभादेवी, मुंबई 400 025 : लोकवाङ्मयगृह, दुसरी आवृत्ती. 1999.
5. काचोळे, दा. धो. *आदिवासी समाजशास्त्र*. गोकुळवाडी, औरंगपुरा, औरंगाबाद - 431 001 : कैलाश पब्लिकेशन्स, जानेवारी 2009.
6. कुलकर्णी, गो. म. (संपा.) *समाजशास्त्रीय समीक्षा : काही विचार*. सदाशिव पेठ, पेरुगेट जवळ, पुणे 30 : मेहता पब्लिशिंग हाऊस, 1982.
7. गजेंद्रगड, व्ही. एन. आणि मारूलकर, व्ही. एस. *समकालीन भारतीय समाजशास्त्र*. रि.स.नं. 9/ 4 ए, दुधाळी, कोल्हापूर : फडके प्रकाशन, मार्च 2000.
8. गवते, ज्ञानेश्वर. *धनगरांच्या लोकसाहित्यातील समाजदर्शन*. औरंगापुरा, औरंगाबाद - 431 001 : कैलाश पब्लिकेशन, मार्च 2011.
9. जोग, वि. स. *मार्क्सवाद आणि मराठी साहित्य*. हनुमान गल्ली, सीताबर्डी, नागपूर - 440 012 : विजय प्रकाशन, 1981.
10. जोशी, महादेवशास्त्री.(संपा.) *भारतीय संस्कृतिकोश*. (खंड- 1 ते 10). 410, शनिवार पेठ, पुणे 411 030 : शं. मं. होडारकर, कार्यवाह, भारतीय संस्कृतिकोश मंडळ.
11. ठाकूर, रवींद्र. *मराठी कादंबरी : समाजशास्त्रीय समीक्षा*, शनिवार पेठ, पुणे - 411 030 : दिपराज प्रकाशन प्रा. लि., प्रथमावृत्ती : मे 2007.
12. मायी, सुनील. *समाजशास्त्र*. 17, स्टेडियम शॉपिंग सेंटर, स्टेट बँक समोर, जळगांव - 425 001 : प्रशांत पब्लिकेशन्स, मे 2002.
13. गुप्ता, एस आर. *उपन्यास का समाजशास्त्र*. मोती बाजार, हाथरस - 204 101 : सिता प्रकाशन,

	<p>प्र. सं. 1995.</p> <p>14. तिवारी, गोरखनाथ. <i>अन्तिम दशक के हिन्दी उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन</i>. साकेत नगर, कानपुर : अन्नपूर्णा प्रकाशन, 2008.</p> <p>15. Sharma, K. L. <i>Caste, Class and Social Movement</i>, Jaipur - 302 004 : Rawat Publications, 1986.</p> <p>16. Chitambar, J. B. <i>Introductory Rural Sociology</i>. New Delhi 110 002 : Wiley Eastern Limited 1975, (Sixth reprint 1985)</p> <p>17. Gidden, Anthony. <i>Sociology : A brief but critical introduction</i>, Houndmills, Basingstoke, Hampshire RG 212XS, and London : Macmillan Education Ltd. (First Edition - 1982) Second Edition - 1986.</p>	
Learning Outcomes	<ol style="list-style-type: none"> 1. समाजशास्त्रीय समिक्षेचे पद्दतीचो अभ्यास जाता. 2. समाजशास्त्राच्या आदारान साहित्याचो अभ्यास कसो करचो तें विद्यार्थ्यांक कळटा. 	

	<p>फोंडें, गोंय : मित्र प्रकाशन, 1998.</p> <p>3. देशपांडे, गं. त्र्यं. <i>भारतीय साहित्यशास्त्र</i>, मुंबय : पॉप्युलर प्रकाशन, 1980.</p> <p>4. अण. तडकोडकार, प्रियर्शिनी, <i>भारतीय साहित्यशास्त्र नवी दिल्ली: साहित्य अकादेमी</i> 2016.</p> <p>5. नगेंद्र. <i>रससिद्धांत</i>, नवी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाव्ज 1994.</p> <p>6. बुडकुले, किरण. <i>पश्चिमी समिक्षे कडेन इश्टागत</i>, पणजी: राजहंस वितरण 1998</p> <p>7. मिश्र, भागीरथ. <i>काव्यशास्त्र</i>, भेलापूर वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1980.</p> <p>8. जैन, निर्मला. <i>पाश्चात्य साहित्य चिंतन</i>, जगतपुरी- दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 1990.</p> <p>9. गुप्त, गणपतिचंद्र. <i>भारतीय एव पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त</i>, इलाबाद: लोकभारती प्रकाशन 1997.</p> <p>10. मिश्र, सभापती. <i>भारतीय काव्यशास्त्र एव पाश्चात्य साहित्य चिन्तन</i>, इलाबाद: जयभारती प्रकाशन, 2007.</p>	
Learning outcomes	भारतीय आनी पाश्चात्य काव्यशास्त्रांतल्या कांय सिद्धांतांची आनी विचारधारांची वळख जाता.	

Programme : M. A (Konkani)

Course : KKC-308

Title of the course : आधुनीक कोंकणी कवितेंतले प्रयोग आनी प्रवाह
Trends in Modern Konkani Poetry

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	कोंकणी कवितेच्या इतिहासाचें गिन्यान आसचें	
Objective	1960 उपरांतच्या कोंकणी कवितेंतले प्रयोग आनी प्रवाह अभ्यासप	
		वरां
Content:	1. कवितेंतल्या प्रयोग आनी प्रवाहाविशींचे सिद्धांत 2. कोंकणी कवितेंतले प्रयोग अ. रुपकात्मक कविता आ. संवादरुपी कविता इ. पत्ररुपी कविता ई. दीर्घ कविता उ. अल्पाक्षरी कविता 3. कोंकणी कवितेंतले प्रवाह अ. गेय कविता आ. आत्मसोदात्मक कविता इ. हास्य कविता ई. स्त्रीकेंद्रीत कविता उ. समानसुत्री काव्यमालिका ऊ. विद्रोहीस्वरयुक्त कविता ऋ. आधुनिकीकरणाच्यो कविता ल. ग्रामीणतायेच्यो कविता	06 18 24
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठआदी.	
References/ readings	1. पवार, राजय. कोंकणी कवितेंतलें गोंयचें समाजदर्शन, गोंय विद्यापीठ, पी. एच. डी. खातीर प्रबंध, 2011. 2. पवार, राजय. कोंकणी कवितेचो इतिहास, बोरी, फोंडें ,	

	<p>गोंय:सानिका प्रोडक्शन..2014,</p> <p>3. तेंडुलकर एस. डी. <i>वालोर</i>, पणजी- गोंय, राजहंस वितरण. 1998</p> <p>4. बुडकुले, किरण. <i>अक्षर सरिता</i> आगशी गोंय बिम्ब प्रकाशन 2009</p> <p>5. देशपांडे, बालशंकर. <i>काव्य : विवेचन आणि विश्लेषण</i>, नागपूर, श्रीवत्स प्रकाशन 2002</p> <p>6. रसाळ, सुधीर. <i>कविता आणि प्रतिमा</i>, मुंबई, मौज प्रकाशन. 1982</p> <p>7. मथुरे, सरेश. <i>हायकू : एक अवलोकन</i>, मुंबई, पॉप्युलर प्रकाशन, 2000</p>	
Learning outcomes	<p>आधुनीक कोंकणी कवितेचो इतिहास अभ्यासून तातुंतल्या तरेकवार प्रयोग आनी प्रवाहांची वळखडटा.</p>	

Optional Course

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKO-401

Title of the Course : कोंकणी कादंबऱ्यांचो खाशेलो अभ्यास

Special Study of Konkani Novels

Number of Credits : 04

Effective From AY : 2018- 2019

Prerequisites for the Course :	कादंबरी ह्या साहित्य प्रकाराचें वाचन केल्लें आसचें तशेंच कोंकणी कादंबऱ्यां विशीं मुळावें गिन्यान आसचें.	
Objectives :	<ol style="list-style-type: none">कोंकणी कादंबरी साहित्य प्रकारांची विशय विविधताय कळची.कोंकणी कादंबऱेंतले वेगळे वेगळे प्रवाह कळचे.वेंचीक कादंबऱ्यांचो खोलायेन अभ्यास जावचो.हेर भारतीय भासांतली कादंबरी आनी कोंकणी कादंबरी असो तुळात्मक अभ्यास जावचो.	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">कोंकणी कादंबरी लेखनाची संक्षिप्त वळख: अ. नवलिका आ. कादंबरीकोंकणी कादंबरी लेखनाचें विशय स्वरूप : अ. ग्रामीण समाजवेवस्था आ. मध्यमवर्गियांचे प्रस्न इ. स्त्री जिवन ई. नव्यो जाणिवोकोंकणी कादंबऱेंत चित्रायल्ल्यो मुखेल व्यक्तीरेखाकोंकणी कादंबऱेंतली भास : अ. लेखन शैली आ. बोली भाशेचो वापरकोंकणी कादंबरी आनी मुखावेलीं आव्हानां : अ. लेखक आ. अभ्यासक इ. प्रकाशककोंकणी कादंबरी आनी हेर भारतीय भासांतली कादंबरी (विशय आनी आशयाचे नदरेंतल्यान)वेंचीक कोंकणी कादंबऱेचो अभ्यास	05 12 05 05 04 04 13
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यान, गट चर्चा, स्वाध्याय, स्वअध्याय	
References/Readings	1. तेंडुलकार, एस डी. बालोर, 1- मीनाक्षी बिल्लिंग.	

डॉ. व्होल्फांगु द सिल्बह मार्ग, पणजी - 403 001 :
राजहंस वितरण, 1998.

2. नागवेंकार, हरिश्चंद्र. *आस्वादन*. मुरमुटी, पोन्नो बाजार
मडगांव : गोंयकार प्रकाशन, 1987.
3. बुडकुले, किरण. *अक्षर सरिता*. 'धर्म-लक्ष्मी', सांत
लॉरेन्स, आगशी, गोंय - 403 204 : बिम्ब प्रकाशन,
जुलय 2009.
4. बुडकुले, किरण. *शतकान्तिका*. 'धर्म-लक्ष्मी', सांत
लॉरेन्स, आगशी, गोंय - 403 204 : बिम्ब प्रकाशन,
जुलय 2009.
5. वजरीकार, प्रकाश रमाकांत. *वज्रघात*. वजरी
सांखळी, गोंय - 403 505 : प्राची प्रकाशन, जून
2010.
6. कुलकर्णी, मदन. *मराठी प्रादेशीक कादंबरी : तंत्र आणि
स्वरूप*. रामदासपेठ, नागपूर : श्रीमंगेश प्रकाशन,
1984.
7. ढेरे, अरुणा. (संपा.) *स्त्री-लिखित मराठी कादंबरी
(1950 - 2110)*, 1966, तारा - भुवन, माडीवाले
कॉलनी, सदाशीव पेठ, पुणे - 411 030 : पद्मगंधा
प्रकाशन, मार्च 2013.
8. ठाकूर, रवींद्र. *मराठी ग्रामीण कादंबरी*. सदाशीव पेठ,
पुणे : मेहता पब्लिशिंग हाऊस, नोव्हेंबर 1993.
9. थोरात, हरिश्चंद्र. *कादंबरीविषयी* - . एरंडवन, पुणे :
पद्मगंधा प्रकाशन, (प. आ. 2006), दु. आ. 2008.
10. देशपांडे, बालशंकर. *कादंबरी : विवेचन आणि
विक्षेपण*. सदाशिव पेठ, पुणे : स्नेहवर्धन पब्लिशिंग
हाऊस, 1998.
11. बांदिवडेकर, चंद्रकांत. *मराठी कादंबरी : चिंतन आणि
समीक्षा*. 216, सदाशिव पेठ, पुणे : मेहता पब्लिशिंग
हाऊस, (प्रथमावृत्ती, मार्च 1983) द्वितीयावृत्ती
ऑक्टोबर, 1996.
12. मणगुतकर, अशोक दत्तात्रय. *सुभाष भेण्डे यांच्या
कादंबऱ्या*. आलत पर्वरी, बार्देश गोवा : गोमंतक मराठी
अकादमी, मार्च 2009.

	13. पर्येकार, प्रकाश, महाबळेश्वर सैल हांच्या कादंबऱ्यांचें समाजशास्त्रीय अध्ययन, गोंय विद्यापिठांत पी. एच. डी. सादर केल्लो प्रबंध.-2011.	
Learning Outcomes	<ol style="list-style-type: none">1. कोंकणी कादंबरे संदर्भांत विद्यार्थ्यांक खाशेलें गिन्यान फाव जातलें.2. कोंकणी कादंबरी साहित्य प्रकारा कडेन पळोवपाची चिकित्सक नदर फाव जातली.	

Programme : M. A. (Konkani)

Course : KKO-402

Title of the course : कोंकणीभाशीक चळवळ

Konkani language Movement

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	कोंकणी भाशीक चळवळीच्या इतिहासाची जाण आसची	
Objective	कोंकणी भाशे खातीर चळवळ केन्ना आनी कित्याक सुरु जाली हे चळवळींतल्यो मुखेल घडणुको खंयच्यो आनी चळवळींतल्यान कोंकणी भाशी समाजान कितें साध्य केलें हाचो अभ्यास हो ह्या विशयाचो आंवाठ	
		वरां
Content:	<p>1. चळवळीचो आरंभ शणै गोंयबाबाचे कोंकणी चळवळींतले भाशीक , साहित्यीक आनी संशोधनात्मक योगदान.</p> <p>2. कोंकणीपरिशदेचें योगदान अ. 1939 वर्सा कारवारांत पयली कोंकणी परिशद आ. कोंकणी समाज संघटनाचो वावर इ. महाराष्ट्र, गोंय, केरळ, आनी कर्नाटक ह्या राज्यांनी कोंकणी परिशदेचो प्रभाव ई. कोंकणी भाशेक साबार मान्यतायो मेळोवन दिवपांतलें योगदान</p> <p>3. कोंकणी चळवळीक ओपीनियन पोलाचें योगदान भाशीक समाजीकआनी राजकी नदरेन मांडिल्ले मुद्दे</p>	<p>05</p> <p>05</p> <p>10</p>

	<p>4. साहित्य अकादेमीची मान्यताय अ. कोंकणीक स्वतंत्र्य साहित्यीक भास म्हूण मान्यताय. आ. साहित्याच्या मळार कोंकणी भाशेक आनी कोंकणी बरोवप्यांक संदी</p> <p>5. राज्यभास चळवळ अ. 'कोंकणी प्रजेचो आवाज' हे संघटणेचो वावर आ. गोंय सरकाराचो राजभास कायदो इ. गोंयांक घटक राज्याचो दर्जो ई. संविधानाचे आठवे अनुसुचींत कोंकणीचो आसपाव</p> <p>6. आयची भाशीक चळवळ आयज कोंकणीचे उदरगतीची चळवळ वेगवेगळ्या मळांचेर कशे तरेन चलता हाचो नियाळ घेवचो</p>	<p>10</p> <p>12</p> <p>06</p>
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ आदी.	
References/ readings	<p>संदर्भ साहित्य</p> <ol style="list-style-type: none"> वर्दे वलावलीकार, शांताराम . संपा. <i>समग्र शणै गोंयबाब</i> खंड 1,2,3,4, पणजी गोंय: गोवा कोंकणी अकादेमी, आनी इन्स्टीट्यूट मिनेझीस ब्रागांझा अनुक्रमान (2003, 2003, 2006, 2006) काणेकार, सदानंद. <i>ओपिनीयन पोल</i>, मडगांव गोंय: मार्ग ट्रस्ट, दुसरी आवृत्ती. 2018. हनुमंत चोपडेकार. कोंकणी राजभास चळवळ एक समाजभासविज्ञानीक मुल्ल्यांकन, गोंय विद्यापीठांत पी. एच डी. खातीर प्रबंध. Narayan, Rajan. D'crouz, Sheron. <i>Triumph of secularism</i> Goa Publication Privet ltd. Vasco De Gama 2011 Sardessai, Manoharrai. <i>history of Konkani language & literature</i>, New Delhi : sahitya academi 2000. 	

	<p>6. केळेकार, रवीन्द्र. <i>भाशीक संघर्शाचे समाजशास्त्र</i>, राजहंस वितरण पणजी गोंय. 2008</p> <p>7. कुलकर्णी, सु. बा. <i>कोंकणी भाषा प्रकृती आणि परंपरा</i>, पणजी गोवा: गोवा कोंकणी अकादेम., 2007</p>	
Learning outcomes	कोंकणी भाशीक चळवळीच्या इतिहासाची जाण जाता	

Programme : M. A. (Konkani)

Course :KKO - 403

Title of the course : साहित्यांत स्त्रीवादाची संकल्पना

Concept of Feminism in Literature

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	स्त्री वादा विशीं म्हायती आसची	
Objective	स्त्री वादी साहित्याचो अभ्यास जावचो	
		वरां
Content:	1. स्त्रीवाद: अर्थ आनी व्याख्या भुमिका, प्रकार	08
	2. जागतीक आनी भारतीय स्त्री वादाची इतिहासीक फांटभूंय वेगळेपण	05
	3. भारतीय समाज, देवधर्म, राजकारण, कायदे, शिक्षणांतअस्तुरेची सुवात	10
	4. भारतीय स्त्रीवादी लेखक - भारतीयसाहित्यांत स्त्री वादी लेखनाचो थोडे भितर नियाळ	05
	5. कोंकणी कथेंत, कवितेंत आनी कादंबरेंत चित्रीत स्त्रीवादी साहित्य,	06
	6. अ. कोंकणींतलें स्वतंत्र वा अणकारीत जाल्लें स्त्री वादी विचारांचें एक पुस्तक शिकोवचें आ. स्त्रीवादाचेर आदारीत दोन सिनेमा दाखोवन चर्चा जावची.	14

	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ आदी.	
References/ readings	<p>संदर्भ साहित्य-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. संपा. लांडे,सुमती. <i>स्त्रीवाद</i>,श्रीरामपूर:शब्दालय प्रकाशन, 2007 2. पाटील, लिला. <i>भारतीय स्त्री जिवन</i>,पुणे:मेहता पब्लिकेशन हाऊस 3. नाईक, शोभा. <i>भारतीय संदर्भातून स्त्रीवाद</i>, प्रभादेवी मुंबई:लोकवागमयगृह 2007 4. सिमोन द् बोव्हा अण -गोखले करुणा द् <i>सॅक्णड सॅक्स</i>,सदाशिव पेठ पुणे: पद्मगंधा प्रकाशन. 2012 5. वेरेकर, शोभा. संपा. <i>हिन्दी उपन्यास : नारी विमर्श</i>, कानपूर: अभय प्रकाशन . 2018 6. नायक, हेमा. <i>सहजिवन संघर्ष समन्वय आनी प्रतिमा</i>, वळवय गोंय: अपुरबाय प्रकाशन, 1989 7. वजरीकार, प्रकाश. <i>वज्राघात</i>, साखळी- गोंय: प्राची प्रकाशन, 2010 8. संपा. भागवत,वंदना. सपकाळ,अनील. गिताली वि.मं. <i>संदर्भ साहित्य स्त्रीवाद , बोरीवली</i>, मुंबई: शब्द पब्लिकेशन 2014 9. चौधरी, तनूजा. <i>साठोतरी लेखिकाओं का स्त्री विमर्श</i> , गोमती नगर लखनौ: बुक पब्लिकेशनस, 2016 10. पवार, वैशाली.<i>महिलांच्या सत्तासंघर्षाचा आलेख</i>, सदाशिव पेठ पुणे: डायमंड पब्लिकेशनस, 2012 11. साळुखे आ. ह. <i>हिन्दू संस्कृती आणि स्त्री</i>, प्रभादेवी पुणे: लोकवाडय प्रकाशन, 2015 12. धोंगडे, अश्विनी.<i>स्त्रीवादी समिक्षा</i>, शनिवारपेट पुणे: दिलीपराज प्रकाशन, 1993 13. देसाई, नीरा. ठक्कर, ऊषा. <i>भारतीय समाजातील स्त्रिया</i>, नवी दिल्ली: नॅशनल 	

	<p>बूक ट्रस्ट, 2016</p> <p>14. ज्योति, अमर. <i>महिला उपन्यासको के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि</i>, साकेत, नगर कानपूर: अन्नपूर्णा प्रकाशन, 1999</p> <p>15. सरदेसाय, माधवी. <i>मंथन</i>, मडगांव गोंय: जाग प्रकाशन 2012</p>	
Learning outcomes	<p>स्त्री वादी दिश्टीकोणा फाटली भुमिका स्पश्ट जाता</p>	

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKO-404

Title of the Course : लघू फिल्म निर्मिती

Short Film Production

Number of Credits : 04

Effective From AY : 2018- 2019

Prerequisites for the Course :		
Objectives :	<ol style="list-style-type: none">1. विद्यार्थ्यांक लघू फिल्म निर्मिती करपाक प्रोत्साहीत करप.2. फिल्म तयार करपाच्यो तांत्रिक गजालींचें गिन्यान दिवप.3. फिल्म निर्मिती संदर्भांतल्यो तांत्रिक गजाली प्रत्यक्ष हाताळप.	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">1. लघू फिल्म स्क्रिनींग आनी चर्चा2. निर्मिती पूर्व घटक :<ol style="list-style-type: none">अ. कथेची निवडआ. पटकथा लेखनइ. संवाद लेखनई. रेकी (चित्रीकरणाच्या थळांची निवड)उ. दिग्दर्शक, कलाकारांची निवडऊ. निर्मिती वेवस्थापन (कॅमेरामॅन, कला दिग्दर्शक, साउंड, लायटआनी हेर तांत्रिक गजाली)(प्रत्यक्ष मार्गदर्शना खातीर कार्यशाळेचें आयोजन जावचें)<ol style="list-style-type: none">ऋ. क्यु शीट (चित्रण पत्रक)3. प्रत्यक्ष चित्रीकरण (1 ते 5 मिनटां अवधीचें लघू फिल्म तयार)4. पोस्ट प्रोडक्शन :<ol style="list-style-type: none">अ. संपादनआ. स्पेशल इफेक्टस्इ. संगीतई. ध्वनीउ. डबींगऊ. व्हायस ओवर आनी हेर(प्रत्यक्ष मार्गदर्शन खातीर कार्यशाळेचें आयोजन जावचें)	02 16 20 10

	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यान, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा, गटचर्चा.	
References/Readings	<ol style="list-style-type: none"> 1. दान्तश, इजिदोर. <i>कोंकणी चलचित्रां</i>, पुणे : दान्तश पब्लिकेशन. 2010. 2. Gehlawat, Ajay. <i>Reaffirming Bollywood : Theories of Popular Hindi Cinema</i>, New Delhi: SAGE Pub. Ltd, 2010. 3. Rai, Amit. <i>Untimely Bollywood</i>, New Delhi : Oxford. 2011. 4. Rowling, J. K. <i>Fantastic Beasts and where to find them The Original Screen Play</i>, Little, Brown Book Group, Carmelite House, 50 Victoria Embankment London, 2016. 5. Honthamer, Eve Light. <i>The Complete Film Production Handbook</i>, Taylor & Francis : 2013 (Third Edition) 6. Proferes, Nichols. <i>Film Directing Fundamentals : See Your Film Before Shooting</i>, Focal Press : 2004 (Second Edition) 7. पाडळकर, विजय <i>सिनेमाचे दिवस पुन्हा-</i> विजय पाडळकर, मौज प्रकाशन, 8. पानवलकर, श्री. दा. <i>शुटींग</i> मौज प्रकाशन, 9. चंदावरकर, भास्कर. <i>चित्रभास्कर</i> राजहंस प्रकाशन, पुणे. 10. orst, Jacqueline B. <i>Cinematography for Directors – A Guide for Creative Collaboration</i>, Michale Wiese Production. 11. Mercado, Gustavo, <i>The Filmmaker's Eye</i>, New York and London : Focal Press, Taylor 	

	&Francis Group.	
Learning Outcomes	1. फिल्म निर्मिती करपाची तंत्रीक म्हायती. 2. फिल्म निर्मितीचें प्रत्यक्ष गिन्यान. 3. कोंकणी लघू फिल्मांची निर्मिती.	
Suggestions	a. तंत्रीक गजाली खातीर भायल्या मार्गदर्शकाचो आदार घेवन व्याख्यान तशेंच कार्यशाळेचें आयोजन करप. b. फिल्म निर्मिती खातीर गोंय विद्यापिठाच्या डि.ई.आय.टी चो आदार घेवप. c. फिल्माच्या संदर्भात मार्गदर्शन जावंचें तशेंच अदीक म्हायती मेळची म्हण विद्यार्थ्यांक फिल्म महोत्सवांक वांटेकार करून घेवप. d. विद्यार्थ्यांनी तयार केल्ल्या फिल्मांचो महोत्सव कोंकणीफिल्म क्लबाचे वतीन घडोवन हाडप.	

- टीप : 1. दरेकी 20 गुणांच्यो 2 ISA पटकथा आनी संवाद लेखनाचेर आदारून आसच्यो.
2. 60 गुणांची SEE पुरायपणान प्रात्यक्षीक स्वरूपाची आसची. (सत्राच्या शेवटाक 1 ते 5 मिनटांचें लघू फिल्म सिडी रुपांत सुपुर्द करतना ताचे वांगडाच मूळ कथा, पटकथा, संवाद लेखन, रेकीची म्हायती, क्युशीट - लिखित रुपांत दिवप गरजेचें आनी ह्या सगळ्यांचेर आदरून 60 गुणांचें विभाजन जातलें.)

	9. अणकाराची समिक्षा कोंकणींतल्यान हेर भासांनी गेल्ल्या आनी हेर भासांतल्यान कोंकणींत आयिल्ल्या वेंचीक अणकारीत कृतींची समिक्षा	04
	वट्ट	48
<u>Pedagogy</u>	व्याख्यानां/गटचर्चास्वाध्याय/सादरीकरण	
<u>References/Reading</u>	<p>Bassnett, Susan. <i>In Translation Studies</i>. London NY: Routledge (1991) 2002.</p> <p>2) Pierre, Paul, Prafulla C. Kar (ed.). <i>In Translation: Reflections, Refractions, Transformations</i>, Delhi: Pencraft International 2005.</p> <p>3) Nirangana, Tejaswini. <i>Sitting Translation: History, Post-Structuralism on and the Colonial Context</i>. Hyderabad: Orient Longman Ltd. 1995.</p> <p>4) थळी, मुकेश. "अणकार". जाग, दिवाळी, 1999, 93-94.</p> <p>5) बुडकुले, किरण. "अणकार: आयच्या संदर्भांत एक विचार", जाग, मार्च 2001: 16-19.</p> <p>6) केळेकर, अशोक रा. (अण.) "भारतांतली अणकार कार्याची अवतिकाय: कारणां आनी उपाय", माधवी सरदेसाय, जाग, दिवाळी 2000: 16-17.</p> <p>7) सरदेसाय, माधवी. "अणकारी उश्णेपण", जाग, सप्टेंबर 1999, 93-94.</p> <p>8) सरदेसाय, माधवी. "अणकारी गाठवला", जाग, दिवाळी-नातलां, 2010.</p> <p>9) Sardesai, Madhavi. "Translation Scenario of Konkani". Paper presented in a National Seminar: Sahitya Samvaad IIT, org. by Sane Guruji Rashtriya Smarak Trust, Mumbai, published in the Seminar Proceedings: Antarvharati Sahitya Samvadd - III, pp. 30-40), 2007.</p>	
<u>Learning Outcomes:</u>	<p>1. विद्यार्थ्यांक अणकाराचे शास्त्रीय गिन्यान वळख जाता</p> <p>2. विद्यार्थी अणकारकपाक शिकता.</p>	

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KKO-406

Title of the Course: भासविज्ञानीक क्षेत्रवावर आनी कोंकणी भाशेचेंदस्तावेजीकरण

Field Linguistics and Konkani Language Documentation

Number of Credits: 04

Effective from AY: 2018-19

Prerequisites for the course:	-विद्यार्थ्यांक मौखीककोंकणीचें गिन्यान आसचें.	
Objective:	-विद्यार्थ्यांक भासविज्ञानीक क्षेत्र वावराची वळख जावची आनी क्षेत्र वावराच्यो पद्दतीवापरून कोंकणी भाशे संदर्भांत क्षेत्र वावर जावचो	
		वरां
Content:	1. भासविज्ञानीक क्षेत्र वावर: i. भासविज्ञानीक क्षेत्र वावराचो थोडे भितर इतिहास ii. भासविज्ञानीक क्षेत्र वावराचो उद्देश iii. भासविज्ञानीक क्षेत्र वावरा मुख्यावयलीं आव्हानां	4
	2. भासविज्ञानीक क्षेत्र वावराच्यो पद्दती	6
	3. भासविज्ञानीक क्षेत्र वावरांतलीं नितीतत्वां	2
	4. भासविज्ञानीक क्षेत्र वावराची तयारी आनी पावण्डे संशोधक-संशोधन सुवात (भाशीक समाज)- म्हायतीदार-उपकरणां/यंत्रां, भास/बोलयेचे म्हायतीसंदर्भांत	8
	5. म्हायतीची पुंजावणी,सांबाळ, नियाळणी a.स्वनिमीक - व्याकरणीक मुळावी म्हायती मेळोवप, उतरांची प्रत्यक्षपुंजावणी. c. म्हायतीसांबाळ d. म्हायतीचीनियाळणी	8
	6. प्रात्यक्षीक क्षेत्र वावर:वेंचून काडिल्ल्या वाठारांतले बोलयेचो भासविज्ञानीक क्षेत्र वावर करून ताचें लिखित /दृक- श्राव्य रूपांत दस्तावेजीकरण	20
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां/tutorials/lab sessions/e- sources/स्वाध्याय/सादरीकरण	
References/Reading	Readings: 1. Abbi, A. 2001. <i>Manual of Linguistic Fieldwork and Structures of Indian</i>	

	<p><i>languages</i>. Lincom Europa: Munich.</p> <p>2. Bower, C.2008. <i>Linguistic Fieldwork</i>. Palgrave:Macmillan.</p> <p>3. Crowley, T. 2007. <i>Field Linguistics. A Beginner's Guide</i>. Oxford: OUP.</p> <p>4. Samarin. W. <i>Field Linguistics: A Guide to Linguistic Fieldwork</i>. Holt, Rinehart, and Winston, New York. 1967.</p>	
<u>Learning Outcomes:</u>	<ol style="list-style-type: none"> 1. क्षेत्र काम कशें करचें तें कळटलें 2. कोंकणी बोलयांचीं खाशेलेपणां वळखूंक कळटलें 	

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KKO- 407

Number of Credits: 04

Title of the Course: समिक्षक आनी समिक्षा विचार

Critics & Criticism

Effective from AY: 2018-19

Prerequisites for the course:	समिक्षा हे संकल्पने विशीं गिन्यान आसचें	
Objective:	समिक्षा सिद्धांत आनी समिक्षेच्यो पद्धती हांचे विशींचे गिन्यान मेळचें .	
		वरां
Content:	1. समिक्षेची परिभाशा 2. समिक्षा: प्रयोजन आनी स्वरूप साहित्यआनी समिक्षकाची भुमिका समिक्षकाचे गूण 3. समिक्षेच्योपद्धती तुलनात्मक मानसशास्त्रीय इतिहासीक 4. समिक्षेचे प्रकार समाजशास्त्रीय समिक्षा मार्क्सवादी समिक्षा परिस्थितीकी समिक्षा स्त्रिवादी समिक्षा 5. कोंकणींतल्या समिक्षा साहित्याचो इतिहास 6. कोंकणी साहित्य समिक्षेची 7. अवस्थाउपयोजीत समिक्षा)Applied Criticism) (वेंचीक पुस्तकाची योग्य समिक्षा पद्धत वापरून समिक्षा करची) *पुस्तकांची चर्चा - योग्य पद्धती/पद्धतीं प्रमाण	03 07 10 10 06 06 06
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां/स्वाध्याय, स्वअध्ययन, गटचर्चा	
References/ Reading	1. नागवेंकार, हरिश्चंद्र .आस्वादन, मडगांव, गोंय :गोंयकार प्रकाशन,.1987 2. गांवकार, भालचंद्र .साहित्य -एक भासाभास,फोंडें, गोंय : मित्र प्रकाशन,.1998 3. बुडकुले, किरण .साहित्य नियाळ :अंतरंग आनी	

	<p>कायारुपा,गोंय :ओम श्री दत्त पद्मजा प्रकाशन,.1998</p> <p>4. बुडकुले, किरण .समिक्षेकडेन इश्टागतगोंय :राजहंस वितरण,.1998</p> <p>5. बुडकुले, किरण .अक्षर सरिता, गोंयधर्म-लक्ष्मी, सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय :बिम्ब प्रकाशन,.2009</p> <p>6. बुडकुले, किरण .शतकान्तिका, धर्म-लक्ष्मी, सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय :बिम्ब प्रकाशन,.2009</p> <p>7. तेंडुलकार, एस .डी .वालोर .पणजी, गोंय :राजहंस वितरण,.1998</p> <p>8. तडकोडकार, प्रियदर्शिनी .कोंकणी साहित्य मञ्जिरी -नदर आनी नियाळ .कामत प्लाझा, सांता इनेझ, पणजी, गोंय : केदार प्रकाशन,.2005</p> <p>9. वजरीकार, प्रकाश रमाकांत .वज्रघात .वजरी सांखळी, गोंय : 403505 -प्राची प्रकाशन, जून .2010</p> <p>10.डिसौजा, चंद्रलेखा .कोंकणी काव्याची पृष्ठभूमि . दामोदराच्या देवळालागीं, स्वतंत्र पथ, वास्को-डा-गामा, गोंय :802 403चिंतन प्रकाशन, एच .सी .ठक्कर.1994 .</p> <p>11.चंद्रलेखा समिक्षणात्मक आनी आलोचनात्मक लेख .वास्को द गामा, गोवा 802 403,.2008</p> <p>12.डिसौजा,चंद्रलेखा) .संपा (.सृजना और आलोचना .दिल्ली : रुचिका प्रिण्टर्स,.2010</p> <p>13.सरदेसाय, मनोहरराय .साहित्य सुवाद. पणजी, गोंय : गोवा कोंकणी अकादेमी .1993</p> <p>14.पवार, राजय .कोंकणी कवितेचो इतिहास. बोरी, फोंडें, गोंय :सानिका प्रोडक्शन,.2014</p>	
--	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--

	<p>4. खेडेकर, विनायक. लोकसरिता- गोमन्तकीय जनजीवनाचा समग्र अभ्यास, कांपाल पणजी गोवा- 403 001: गोवा कला अकादेमी- 1993.</p> <p>5. व्यवहारे, शरद. मराठी ह्रीगीते, पुणे: प्रतिमा प्रकाशन, 1991.</p> <p>6. फडते आखाडकर, विनायक विठ्ठल. लोककलानंद, आखाडा- सांतइस्तेव्हं, तिसवाडी गोवा: विठ्ठल कला आणि सांस्कृतिक मंडळ, 2011.</p> <p>7. नेरूरकर, प्र. श्री. कोंकणी लोकगीते, नवीन प्रकाशन भवन, मुंबई: महाराष्ट्रा राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, 1988.</p> <p>8. वाकोडे, मधुकर /करोगल, सुषमा. (संपा.) मौखिकता आणि लोकसाहित्य, फिरोजशहा रोड, नवी दिल्ली : साहित्य अकादमी, 2008.</p> <p>9. Khedekar, Vinayak. Folk Dances of Goa, Bagore Ki Haveli, Gangaur Ghat, Udaipur – 313 001 :West Zone Cultural Centre.</p>	
Learning Outcomes	<p>1. गोंयच्या लोकनाचाची वळख जाता.</p> <p>2. गोंयच्या लोकनाचा विशीं गिन्यान मेळटा.</p>	

टीप: विद्यार्थ्यांक प्रत्यक्ष लोकनाचाचो अणभव मेळचो म्हण अभ्यास भोंवडेचें आयोजन जावचें.

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKO-409

Title of the Course : वेंचीक कोंकणी लोक नाट्यांचो अभ्यास

Study of Selected Konkani Folk Dramas

Number of Credits : 02

Effective From AY : 2018- 2019

Prerequisites for the Course :	कोंकणी लोकवेदाचें गिन्यान आसप गरजेचें.	
Objectives :	कोंकणी लोकनाट्यांचो अभ्यास जावचो.	
		वरां
Content:	1. लोकनाट्य: व्याख्या आनी संकल्पना 2. वेंचीक कोंकणी लोकनाट्यां: अ. रणमालें आ. जागर इ. पेरणी जागर	02 15 04
	1. लोकनाट्याचें खाशेलेंपण 2. लोकनाट्याचें महत्व	03
	वटट	24
Pedagogy	व्याख्यान, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा.	
References/Readings	1. नायक, जयंती. लोकवींब, पर्वरी गोंय : गोवा कोंकणीअकादेमी, 1998. 2. नायक, जयंती. लोकमंथन, आमोणें केपें गोंय : राजाई प्रकाशन, 2008. 1. नायक, जयंती. लोकरंग. आमोणें, केपें, गोंय - 403 705 : राजाई प्रकाशन, 2008. 2. पर्येकार, प्रकाश. रणमालें, राजेंद्र केरकार (संपा), म्हादई - सत्तरी तालुका विशेषांक 1995-96, वाळपई गोवा : ग्रामीण विकास शिक्षण संस्था, 1996. 3. खेडेकर, विनायक. लोकसरिता- गोमन्तकीय जनजीवनाचा समग्र अभ्यास, कांपाल पणजी गोवा- 403 001: गोवा कला अकादेमी- 1993. 4. वेरेंकार, श्याम. गोमन्तकीय दशावतारी	

	<p>काला,संस्कृती भवन पाटो पणजी गोवा : कला व संस्कृती संचालनालय, 2013.</p> <p>5. गांवकार, झिलू. रणमालें : स्वरूप दर्शनपणजी गोंय :राजभाशा संचालनालय, गोंय सरकार, जुंता हाऊस, 5 वो माळो, पयली लिफ्ट. 2016.</p>	
Learning Outcomes	<ol style="list-style-type: none"> 1. कोंकणी लोकनाट्याची वळख जातली. 2. कोंकणी लोकनाट्याची आवड निर्माण जातली. 	

	<p>कोंकणी अकादेमी , 2015.</p> <p>3. बोरकार, सुरेश, ज. <i>कोंकणी व्याकरण</i>, मडगांव गोंय: कोंकणी भाशा मंडळ, 2012.</p> <p>4. Mallhi, N. <i>Practical, Proof reading Chandigarh Khalsa Publishers</i>, 1998.</p> <p>5. पाटील, आनंद. <i>सृजनात्मक लेखन</i>, 36/11 धन्वंतरी सह. गृहरचना संस्था. पांडुरंग कॉलनी. एरंडवन, पुणे - 411038 : पद्मगंधा प्रकाशन, 2009.</p>	
Learning outcomes	<p>विद्यार्थ्यांक देवनागरी लिपयेंतल्यान टंकलेखन तशेंच कोंकणींतल्यान मुद्रीत शोधन करपाची कला आत्मसात जावन रोजगारा खातीर उपेग जाता.</p>	

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKO- 411

Title of the Course : सर्जनशील लेखन

Creative Writing

Number of Credits : 02

Effective From AY : 2018- 2019

Prerequisites for the Course :	वाचन तशेंच लेखनाची आवड आसप गरजेचें.	
Objectives :	1. सर्जनशील लेखन कलेक मार्गदर्शन जावचें.	
		वरां
Content:	1. लेखननिर्मिती फाटलें प्रयोजन 2. साहित्य निर्मिती फाटलीं जेश्ट लेखकांचीं मतां 3. लेखन कलेची साधना (वाचन, चिंतन आनी मनन) 4. लेखन प्रक्रिया 5. प्रत्यक्ष लेखन कार्यशाळा : अ. कवीता आ. कथा इ. निबंद 6. संपादन आनी पुस्तक उजवाडावणेची प्रक्रिया	01 02 02 03 12 04
	वट्ट	24
Pedagogy	ब्याख्यान, स्वाध्याय, स्व-अध्याय, गट चर्चा कार्यशाळा	
References/Readings	1. पाटील, आनंद. <i>सृजनात्मक लेखन</i> , 36/11 धन्वंतरी सह. गृहरचना संस्था. पांडुरंग कॉलनी. एरंडवन, पुणे - 411038 : पद्मगंधा प्रकाशन, 2009. 2. केळेकार, रवीन्द्र. <i>सर्जकाची आत्मकथा</i> , प्रियोळ म्हाड्डोळ- गोंय- 403 404 : जाग प्रकाशन, 2000. 3. कालेकर, दत्तात्रेय. <i>साहित्याची कामगिरी</i> , अमदाबाद : नवजिवन प्रकाशन मंदीर, 1948. 4. मावजो, दामोदर, <i>भोवप्रवासी साहित्यकार</i> , जाग दिवाळी - नातलां अंक, 2009. 5. पंडित र.वी. <i>म्हजे कवितेची काणी</i> , कुळागर सप्टेंबर 1979.	
Learning Outcomes	1. साहित्या निर्मिती करपाची आवड निर्माण जातली. 2. साहित्य निर्मितीचें तंत्र कळटलें.	

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KKO- 412

Title of the Course: वेवसायीकतियात्र:एक अभ्यास

A Study of Commercial Tiatr

Number of Credits: 02

Effective from AY: 2018-19

Prerequisites for the course:	तियात्रहयानाट्यप्रकाराचीजाणआसची	
Objective:	वेवसायीक तियात्राची वळख आनी खाशेलपणां विद्यार्थ्यांक समजुपाक मजत जातली.	
		वरां
Content:	1. वेवसायीक रंगमाचयेर तियात्राची सुरवात 2. वेवसायीक रंगमाचयेर तियात्राची उदरगत - गोंय मुक्ती आदली (सुरवाते सावन1960 मेरेन) - गोंय मुक्ती उपरांत (1961 ते 2000 मेरेन) 21 -व्या शेंकड्यांतलो वेवसायीक तियात्र 3. तियात्राच्या वेवसायीक जैताचे घटक अ. दिग्दर्शक आनी कॉमेडीयन आ. कांतार आनी संगीत इ. प्रेक्षकांची ओड	04 10 10
	वट्ट	24
Pedagogy	व्याख्यानां, स्वाध्याय, स्वअध्ययन, गटचर्चा	
References/ Reading	1. थळी, प्रकाश .तियात्राचो इतिहास, पणजी, गोंय :गोवा कोंकणी अकादेमी,.1993 2. <i>Silver Jubilee of Tiatr Competition.</i> Campal, Panaji, Goa: Goa Kala Academy, 2000. 3. Mazarello, Wilson. <i>100 Years of Konkani Tiatro,</i> Panaji, Goa : Directorate of Art And Culture, Govt. of Goa, 2000. 4. Fernandes, Andre Rafael. <i>When the Curtains Rise: Understanding Goa's vibrant Konkani Theatre,</i> Panaji, Goa: Tiatr Academy of Goa, 2010. 5. फेर्नांडीस,कॉज्मा .तियात्रांतदिसपीगोंयच्यासमाजाचेंदर्शन . पी.एच.डीखातीरचोसोदप्रबंध .ताळगांव -गोंय,गोंयविद्यापीठ. 2017.	

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKO-413

Title of the Course : ग्रामीण साहित्य

Graminn Literature

Number of Credits : 02

Effective From AY : 2018- 2019

Prerequisites for the Course :	विद्यार्थ्यांक कोंकणी ग्रामीण जिणेचें गिन्यान आसचें तशेंच तांणी ग्रामीण तत्वां आशिल्लें साहित्य वाचिल्लें आसचें.	
Objectives :	a. ग्रामीण साहित्याची संकल्पना आनी खाशेलेंपण कळचें. b. कोंकणी साहित्यांत पडबिंबीत जाल्ले ग्रामीण समाजवेवस्थेची वळख जावची.	
		वरां
Content:	1. ग्रामीण साहित्याची संकल्पना आनी व्याख्या 2. ग्रामीण साहित्याचीं तत्वां 3. ग्रामीण साहित्याची गरज आनी महत्व 4. कोंकणी कविता, कथा, नाटक, निबंद आनी कादंबरेंत पडबिंबीत जाल्ली ग्रामीणताय. 5. ग्रामीण साहित्याचें कोंकणी भाशेक योगदान	02 03 03 14 02
	वट्ट	24
Pedagogy	व्याख्यान, गटचर्चा, स्व- अध्ययन, स्वाध्याय.	
References/Readings	1. ठाकूर, रवींद्र. मराठीग्रामीणकादंबरी. सदाशीवपेठ, पुणे :मेहतापब्लिशींगहाऊस, नोव्हेंबर 1993. 2. पाटील, मोहन. ग्रामीणसाहित्यआणिसंस्कृती. औरंगाबाद - महाराष्ट्र :स्वरूपप्रकाशन, जुलय, 2002. 3. नायक, पुंडलीक. मुठय, मडगांवगोंय- 403 601 :सेवासमितीप्रकाशन, 1977.	
Learning Outcomes	1. ग्रामीण संकल्पना स्पश्ट जातली. 2. कोंकणी साहित्यांतली ग्रामीण समाजवेवस्थेची वळख जातली.	

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKO-414

Title of the Course : कोंकणी साहित्यांत अभिव्यक्त जाल्लो पर्यावरणीय विचार

Environmental thought in Konkani Literature

Number of Credits : 02

Effective From AY : 2018- 2019

Prerequisites for the Course :	पर्यावरणाविशीं आस्था आनी ह्या विशया संदर्भांत वाचनाची गरज	
Objectives :	<ol style="list-style-type: none">कोंकणीत साहित्यांत पर्यावरण विशया कडेन संबंदीत जल, जमीन, जंगल आनी जनावर ह्या घटकांचो अभ्यास करप.कोंकणी साहित्यांत अभिव्यक्त जाल्ल्या विचारांचें आस्वादन आनी विश्लेशण करप.	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">भारतीय साहित्यांत अभिव्यक्त जाल्लो पर्यावरणीय विचारकोंकणी साहित्यांतलें पर्यावरण विशयक लेखनकोंकणी साहित्यांत अभिव्यक्त जाल्ल्या पर्यावरणीय घटकांचें आस्वादन आनी विश्लेशण.	05 05 14
	वट्ट	24
Pedagogy	व्याख्यान, स्वाध्याय, गट चर्चा, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा.	
References/Readings	<ol style="list-style-type: none">नायक, पुंडलीक. <i>अच्छेव</i>, प्रियोळ, म्हाड्डोळ गोंय- 403 404 : जाग प्रकाशन, 1977.वेळुस्कार, रमेश. <i>माती</i>, बेती बार्देस गोंय- 403 101 : कोंकण टायम्स पब्लिकेशन, 1983.नायक, भरत. <i>झाडांच्यो कविता</i>, सी-1, गोल्डन हील व्यु, रेगो नगर, बांबोळी गोंय- 403 202 : नामी प्रकाशन, 2016मणेरकार, दिनेश. <i>रानवळख</i>, श्री मंगेश लक्ष्मी निवास, 39, दत्तवाडी, सांगें गोंय : संजना पब्लिकेशन्स, 2002.पर्येकार, प्रकाश. <i>म्हादय</i> : काळजांतल्यान कागदार... पाटो, पणजी गोंय : कला आनी	

	<p>संस्कृती संचालनालय- 2011.</p> <p>6. पर्येकार, प्रकाश. उदरगत आनी पर्यावरण साहित्यिकांची लागणूक 201-बी, सालदेल अपार्टमेंटस्, रूअ द साउदादिश, पाजीफोंड, मडगांव गोंय, 403 601 : जाग म्हयनाळें, वर्स 33 : आंक 7 : जून 2007.</p>	
Learning Outcomes	<ol style="list-style-type: none"> 1. पर्यावरण विशयांतल्या साहित्याची आवड निर्माण जातली. 2. पर्यावरणाविशीं आस्था वाडीक लागतली. 	

Programme : M. A. (Konkani)

Course : KOO- 415

Title of the course : पुंडलीक नायक हांच्या वेंचीक नाटकांचो अभ्यास

Study of Selected Plays of Pundalik Naik

Number of Credits : 02

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	विद्यार्थ्यांक कोंकणी नाटकांची जाण आसची	
Objective	पुंडलीक नायक हांच्या नाट्य साहित्या विशीं वळख जावची	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">कोंकणी नाट्य मळार पुंडलीक नायक हांचें योगदानपुंडलीक नायक हांच्या नाटकांचीं खाशेलेंपणांपुंडलीक नायक हांच्या दोन वेंचीक नाटकांचो खोलायेन अभ्यास	04 05 15
	वट्ट	24
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, गटचर्चा	
References/ readings	<ol style="list-style-type: none">च्यारी, पुर्णानंद. पी.एच. पुंडलीक नायक आनी विजय तेंडुलकर हांच्या नाटकांचो तुलनात्मक अभ्यास पी. एच. डी. खातीर सादर केल्लो प्रबंध.नायक, राजू. संपा. वेंचीक पुंडलीक, मडगांव गोंय: कोंकणी भाशा मंडळ. 1999कानोळकार, बाळकृष्णजी. क्ष : समिक्षेंतलो, पेडणें-गोंय: परा प्रतिमा प्रकाशन, 2008.	
Learning outcomes	नाटककार पुंडलीक नायक हांणी नाट्य मळार दिल्ल्या भरीव योगदानाची वळख जाता	

Programme : M. A. (Konkani)

Course : KKO-416

Title of the course : रवीन्द्र केळेकार हांच्या वेंचीक निबंदांचो अभ्यास

Study of Selected Essays of Ravindra Kelekar

Number of Credits : 02

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	विद्यार्थ्यांक कोंकणी निबंदाची जाण आसची	
Objective	रवीन्द्र केळेकार हांच्या निबंद साहित्याची वळख जावची	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">1. निबंद साहित्याच्या मळार रवीन्द्र केळेकार हांचें योगदान2. रवीन्द्र केळेकार हांच्या निबंदांचीं खाशेलेंपणां3. रवीन्द्र केळेकार हांच्या वेंचीक 8 ते 10 निबंदांचो खोलायेन अभ्यास	04 05 15
	वट्ट	24
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, गटचर्चा	
References/ readings	<ol style="list-style-type: none">1. आमोणकर, राखी. कोंकणी निबंद लेखन : समाजशास्त्रीय अभ्यास, (PHD खातीरचो सोदप्रबंध)2. भावे, भूषण. साहित्य विमर्श, वाळपय-सत्तरी : शाल्मली क्रिएशन्स, 2016.3. बुडकुले, किरण. अक्षरसरिता आगशी गोंय बिम्ब प्रकाशन 20094. Budkuley, Kiran. Shreyarthee, Agasaim Goa: Bimb Publications, 2010.5. सरदेसाय, माधवी.(संपा.) जाग, मडगांव-गोंय: जाग प्रकाशन, 2007.	
Learning outcomes	निबंदकार रवीन्द्र केळेकार हांणी निबंदाच्या मळार दिल्ल्या योगदानाची खाशेलपणां सयत वळख जाता	

Programme : M. A. (Konkani)

Course : KOO-417

Title of the course : दामोदर मावजो हांच्या वेंचीक कथांचो अभ्यास

Study of Selected Stories of Damodar Mauzo

Number of Credits : 02

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	विद्यार्थ्यांक कोंकणी कथांची जाण आसची	
Objective	दामोदर मावजो हांच्या कथा साहित्याची वळख जावची	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">कोंकणी कथेच्या मळार दामोदर मावजो हांचें योगदानदामोदर मावजो हांच्या कथांचीं खाशेलेंपणांदामोदर मावजो हांच्या वेंचीक 8 ते 10 कथांचो खोलायेन अभ्यास	04 05 15
	वट्ट	24
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, गटचर्चा.	
References/ readings	संदर्भ साहित्य <ol style="list-style-type: none">कामत, रेश्मा. पीएच. डी <i>दामोदर मावजो हांच्या कथांचो मानसशास्त्रीय नदरेन अभ्यास</i>. 2018शिवदास, एन. जेश्ट कथकार, कादंबरीकार दामोदर मावजो क्लासीक लेसिडेन्सी, फर्मागुडी फोंडे : उर्बा प्रकाशन 2014	
Learning outcomes	कथाकार दामोदर मावजो हांणी कथेच्या मळार दिल्ल्या भरीव योगदानाची वळख जातली	

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KKO 418

Title of the Course: संपर्क माध्यमाचो अभ्यास

Media Study

Number of Credits: 02

Effective from AY: 2018-19

<u>Prerequisites for the course:</u>	1.विद्यार्थ्यांक मिडियाचें स्वरूप कळचें मिडिया खातीर लेखन/ कळचें विद्यार्थ्यांक मिडीयाचें गिन्यान आसचें	
<u>Objective:</u>	-विद्यार्थ्यांक भासविज्ञानीक क्षेत्र वावराची वळख जावची आनी क्षेत्र वावराच्यो पद्दतीवापरून कोंकणी भाशे संदर्भात क्षेत्र वावर जावचो	
		वरां
<u>Content:</u>	1. मिडिया: संकल्पना आनी व्याख्या 2. प्रिंट मिडिया: खबरांपत्रां, नेमाळीं 3. इलेक्ट्रॉनिक मिडिया अ. इ-खबरांपत्रां, नेमाळीं/ इ-पत्रकारिता आ. दृक-श्राव्य -रिकॉर्डिंग, इ. मल्टिमिडिया सादरीकरणां ई. टी. व्ही./ दुरदर्शनआनी हेर टी. व्ही. चॅनल्स उ. रेडियो ए. टेलिफोन आनी टेलिकम्युनिकेशन ओ. मोबायल आनी व्हाट्सॅप औ. इंटरनेट अं. मूक 4. प्रिंट मिडिया/ इलेक्ट्रॉनिक मिडिया संदर्भात प्रत्यक्ष काम	02 06 12 04
	वट्ट	24
<u>Pedagogy:</u>	व्याख्यानां,tutorials,lab sessions, e-sources, स्वाध्याय, सादरीकरण, गटचर्चा	
<u>References/Reading:</u>	1. कोंकणी विश्वकोश, भाग 1, संपादक दो. मनोहरराय सरदेसाय, गोंय विश्वविद्यालय, 1999) 2. राधेश्याम शर्मा,संपा. जनसंचार हरियाणा साहित्य अकादेमी, चण्डीगढ, 1988.	

	<ol style="list-style-type: none"> 3. Desmond A. D' Abreo. <i>Mass Media and You</i>, Bangalore: St. Paul Press Training School, 1994. 4. Alyque Padamsee, <i>My Exciting Years in Theatre and Advertising</i> Penguin Books. 5. Ordinary People and the Media: The deurotic turn SALE pub, ltd, California, London, India, 2010. 6. Voice of the people: Communication for Social changes, Culture & Communication, Madras, 1990. 	
<p><u>Learning Outcomes:</u></p>	<ol style="list-style-type: none"> 1. विद्यार्थ्यांक मिडियाचें स्वरूप कळटा 2. विविध मिडिया खातीर लेखन कशे करचे तें कळटा 	

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKO-419

Title of the Course : महाबळेश्वर सैल हांच्या वेंचीक कादंबऱ्यांचो अभ्यास

Study of Mahableswar Sail's Selected Novels

Number of Credits : 02

Effective From AY : 2018- 2019

Prerequisites for the Course :	कोंकणी कादंबरी साहित्याचें गिन्यान आसप गरजेचें.	
Objectives :	महाबळेश्वर सैल हांच्या वेंचीक कादंबऱ्यांचो अभ्यास जावचो.	
		वरां
Content:	1, महाबळेश्वर सैल हांच्या कोंकणी कादंबरी लेखनाची संक्षिप्त वळख : अ. नवलिका आ. कादंबरी	04
	2. महाबळेश्वर सैल हांच्या कादंबऱ्यांचें खाशेलेंपण: अ. विशय आनी कथानकाचो विस्तार आ. आशयाची मांडावळ इ. व्यक्तिरेखा ई. भाशेचो प्रयोग (निवेदन आनी संवादांतली भास)	10
	3. वेंचीक कादंबरेचो अभ्यास (खंयचीय एक)	10
	वट्ट	24
Pedagogy	व्याख्यान, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां.	
References/Readings	1. तेंडुलकार, एस डी. <i>वालोर</i> , 1- मीनाक्षी बिल्डिंग. डॉ. व्होल्फांगु द सिल्व्ह मार्ग, पणजी - 403 001 : राजहंस वितरण, 1998. 2. बुडकुले, किरण. <i>अक्षर सरिता</i> . 'धर्म-लक्ष्मी', सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय - 403 204 : बिम्ब प्रकाशन, जुलय 2009. 3. बुडकुले, किरण. <i>शतकान्तिका</i> . 'धर्म-लक्ष्मी', सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय - 403 204 : बिम्ब प्रकाशन, जुलय 2009.	

4. भावे, भूषण. *साहित्य विमर्श*, धावें- तार, वाळपय सत्तरी गोंय-403 506 : शाल्मली क्रिएशन्स, 2016,
5. Budkuley, Kiran. *Musings in the Meadows Essays on Goan literature & Culture*, Dattawadi Sanguem Goa - 403 704 : Sanjana Publications , 2012.
6. बांदिवडेकर, चंद्रकांत. *देशी वाण : साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेत्या आधुनिक भारतीय कादंबऱ्यांचा रसास्वाद*. माहीम, मुंबई 400 016 : अक्षर प्रकाशन, मार्च 2002.
7. बांदिवडेकर, चंद्रकांत. *मराठी कादंबरी : चिंतन आणि समीक्षा*. 216, सदाशिव पेठ, पुणे :मेहता पब्लिशिंग हाऊस, (प्रथमावृत्ती, मार्च 1983) द्वितीयावृत्ती ऑक्टोबर, 1996.
8. काळी गंगा, केळक, रवीन्द्र . 'स्वगत', दै. *नवप्रभा*. पणजी गोवा. दि.18 मे 1997.
9. *सैम आनी समाज हांचे मदल्या संघर्शाचें करूण- दर्शन काळी गंगा*,भावे, भूषण . *सुनापरान्त*(दिसाळें)मडगांव गोंय, ता. 20 एप्रील 1997 (पयलो वांटो) आनी28 एप्रील 1997 (दुसरो वांटो).
10. मावजो, दामोदर.*अप्रुप, समर्थ काळी गंगा* (साहित्य नियाळ), *जाग*, वर्स: 23, आंक : 12, जुलै 1997. पा. 22-24.
11. नायक, दत्ता दामोदर.*आयाव मरण आंकवार रांडावपण आनी कादंबरीचें मोटवेंपण*. 'दत्ता नायक कॉलम', *सुनापरान्त* दिसाळें, ता. 27 जुलय 1997. पा.3.
12. बुडकुले, किरण.*दोन वाटचिऱ्यांच्या संदर्भांत कोंकणी कादंबरी*. *कुळागर*दिवाळी 1997. पा.15-17.
13. नायक, दत्ता दामोदर. *अदृश्ट- अरण्यकांड*:'दत्ता नायक कॉलम', *सुनापरान्त* दिसाळें, ता.19 एप्रील 1998. पा. 3 आनी 7.
14. बुडकुले, किरण.*सैलाल्या कलाविश्वांतल्यो जुंवळ्यो नवलिका*, "साहित्य नियाळ" *जाग*, वर्स: 24, आंक: 12,जुलै 1998. पा. 23-24.
15. बुडकुले, किरण. *काळी गंगा : सोंपत्या सहस्रकांतली काळजैती कादंबरी*,*सुनापरान्त* (दिसाळें) 4 जुलय 1999, पा.

	<p>2 आनी 7.</p> <p>15.पर्येकार,प्रकाश.काळी गंगा कादंबरेतलें वास्तव दर्शन, सोद, फेब्रुवारी 2002, तॉमास स्टीवन्स कोंकणी केंद्र, आल्ट पर्वरी, गोंय - 403 521. पा.73-80.</p> <p>16.देसाय, नारायण.युग-सांवार काणी इन्क्रिजिथनाची, इतिहास काय कल्पकताय?,मुनापरान्त (दिसाळें), जून 2004.</p> <p>17. गुप्ते, विश्राम.महाबळेश्वर सैलांची युग सांवार ऐतिहासिक वेदनेचा हुंकार, 'शब्दसोहळा', दै.गोमन्तक, पणजी. 15 ऑक्टोबर, 2006.</p> <p>18. गुप्ते, विश्राम.युगसांवार इतिहासीक दुःखिताचे हुणके,जाग, ऑगश्ट, 2007, पा. 24-25.</p> <p>19.कोमरपंत, सोमनाथ.हावठण : एक कारुण्योपनिषद्, वसंत, Vol. 731, वर्ष 67, जून 2009.</p> <p>20. तेंडुलकार, एस. डी.महाबळेश्वर सैलाची 'हावठण' : कोंकणी कादंबरी लेखनाचो एक अस्सल दुकुमेंत, बिम्ब, वर्स:10, अंक : 09, सप्टेंबर 2011, पा.29-32.</p> <p>21. गुप्ते, विश्राम.खोल खोल मुळां-भावभावनांचो ज्वालामुखी,विश्राम गुप्ते.जाग, दिवाळी/ नातलां, 2011. पा. 35-37.</p>	
Learning Outcomes	<p>3. कोंकणी लोकनाट्या वळख जातली</p> <p>4. कोंकणी लोकनाट्याची आवड निर्माण जातली</p>	

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KKO-420

Number of Credits: 02

Title of the Course: कोंकणी व्याकरणाचे आनी शुधदलेखनाचे मुळावे नेम

Essentials of Konkani Grammar and

Orthography

Effective from AY: 2018-19

Prerequisites for the course:	कोंकणी भाशेचें गिन्यान आसचें	
Objective:	कोंकणी व्याकरणाची आनी शुधदलेखनाच्या नेमांची वळख जातली.	
		वरां
Content:	1. देवनागरी वर्णमाळेंतलीं अक्षरां बरोवपाची रीत 2. कोंकणी व्याकरणाचे मुळावे नेम 3. कोंकणी शुधदलेखनाचे मुळावे नेम 4. अनुस्वाराची गरज आनी ताचें म्हत्व	03 08 10 03
	वट्ट	24
Pedagogy	व्याख्यानां, स्वाध्याय, स्व-अध्याय, गटचर्चा	
References/ Reading	1. बोरकार, सुरेश. कोंकणी व्याकरण. मडगांव:कोंकणी भाशा मंडळ. 2015 2. गोवा कोंकणी अकादेमी. कोंकणी शुधदलेखनाचे नेम. पणजी:गोवा कोंकणी अकादेमी.2016 3. घाणेकार, दामोदर आनी सुरेश ज. बोरकार. कोंकणी अभ्यासकोश. पणजी: राजहंस वितरण. 4. गोंयबाब, शणै. कोंकणीची व्याकरणीक बांदावळ. पणजी:गोवा कोंकणी अकादेमी. 5. Chavan, V.P., <i>The Konkani and the Konkani Language</i> . New Delhi: Asian Education Services.1995. 6. Katre, S.M. <i>The Formation of Konkani</i> . Poona: Deccan College of Post Graduate and Research Institute. 1996.	
Learning Outcomes:	कोंकणी व्याकरणाच्या आनी शुधदलेखनाच्या नेमां प्रमाण विद्यार्थ्यांक कोंकणी बरोवंक येता.	

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KKD-421

Title of the Course : सोद प्रकल्प

Dissertation

Number of Credits : 08

Effective From AY : 2018- 2019